बीईसीसी 101

बी ए (BAECH/BAFEC/B.Com)

सत्रीय कार्य 2026-27
जुलाई 2026 और जनवरी 2027 प्रवेश चक्र के लिए

पाठ्यक्रम कोड : बी.ई.सी.सी.–101
पाठ्यक्रम शीर्षक : प्रारंभिक व्यष्टि अर्थशास्त्र

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली– 110068

बीईसीसी-101
प्रारंभिक व्यष्टि अर्थशास्त्र
शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य
(2026–27)

कार्यक्रम कोडः (BAECH/BAFEC/B.Com)
पाठ्यक्रम कोडः बीईसीसी 101

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि बीएईसीएच के लिए कार्यक्रम दर्शिका में बताया गया है आपको अर्थशास्त्र (BECC-101) में इस के लिए एक सत्रीय कार्य करना होगा। यह एक शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य (टीएमए) है और इसमें 100 अंक होते है।

यह महत्वपूर्ण है कि आप सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। टी एम ए को आपको विभिन्न श्रेणियों के सवालों के ज़वाब देने में सक्षम बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। यहां मूल्यांकन आपके उत्तर को व्यस्थित, सटीक और सुसंगत तरीके से प्रस्तुत करने की आपकी क्षमता को ध्यान में रखते हुए किया जाता है। सत्रीय कार्य कों तीन भागों में विभाजित किया गया है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। भाग क में 20-20 अंकों के दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। भाग ख में 10-10 अंकों के तीन प्रश्न होते हैं जब कि भाग ग में आपको 6-6 अंकों के 5 प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

जमा करना : पूर्ण किए गए सत्रीय कार्यों को आपके अध्ययन केंद्र के समन्वयक को जमा करना है।

सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि हैः

31 मार्च 2027 **जून 2027 सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने वाले छात्रों के लिए**

30 सितंबर 2027 **दिसंबर 2027 सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने वाले छात्रों के लिए**

प्रारंभिक व्यष्टि अर्थशास्त्र

शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य (टीएमए)

पाठयक्रम कोड : बी.ई.सी.सी.-101
सत्रीय कार्य कोड :बीईसीसी –101/टीएमए/2026-27
कुल अंक : 100

नोटः सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

सत्रीय कार्य-1

निम्नलिखित वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्नों का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है। 2×20=40

1) उत्पादन संभावना वक्र (Production Possibility Curve) को परिभाषित कीजिए। उत्पादन संभावना वक्र की सहायता से पैमाने के बढ़ते, स्थिर तथा घटते प्रतिफलों (Increasing, Constant and Decreasing Returns to Scale) को कैसे प्रदर्शित किया जा सकता है? (चित्र आवश्यक हैं)

2) 'बाजार विफलता' (Market Failure) शब्द से आप क्या समझते हैं? बाजार विफलता के विभिन्न स्रोतों की व्याख्या कीजिए। अकुशल बाजार स्थितियों को नियंत्रित करने के लिए कौन–कौन से नीतिगत उपाय अपनाए जा सकते हैं?

सत्रीय कार्य-2

निम्नलिखित मध्यम श्रेणी के प्रश्नों का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का हैं।3×10=30

3) कोणीय समाधान (Corner Solution) को परिभाषित कीजिए। कोणीय समाधान की अवधारणा के अंतर्गत निम्नलिखित दो स्थितियों की व्याख्या कीजिए :

(क) जब केवल एक वस्तु खरीदी जाती है।

ख) अवतल (Concave) उदासीनता वक्रों की स्थिति में उपभोक्ता संतुलन। (चित्र आवश्यक हैं)

4) मान लीजिए कि किसी प्रतिस्पर्धा फर्म का कुल लागत फलन हैः

$$TC(q) = 450 + 15q + 2q^2$$

तथा सीमांत लागत फलन है :

$$MC(q) = 15 + 4q$$

यदि बाजार मूल्य : $P = ₹115$ प्रति इकाई है, तो :

(i) फर्म द्वारा उत्पादित उत्पादन स्तर ज्ञात कीजिए।

(ii) लाभ (Profit) तथा उत्पादक अधिशेष (Producer Surplus) का स्तर ज्ञात कीजिए।

5) (क) उत्पादन की तीन अवस्थाएँ क्या हैं? उत्पादक इनमें से किस अवस्था को प्राथमिकता देते हैं और क्यों?

(ख) चित्र की सहायता से रिज रेखाएँ (Ridge Lines) तथा उत्पादन के आर्थिक एवं अनार्थिक क्षेत्रों (Economic and Non-Economic Regions of Production) को परिभाषित कीजिए।

सत्रीय कार्य-3

निम्नलिखित लघु श्रेणी के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का है। **5×6=30**

6) वस्तु X के लिए निम्नलिखित मांग एवं आपूर्ति फलनों के आधार पर संतुलन मूल्य एवं संतुलन मात्रा ज्ञात कीजिए :

$$Q_d = 5700 - 800P_x$$
$$Q_s = -6500 + 3000P_x$$

7) चित्रों की सहायता से उन दृष्टिकोणों की व्याख्या कीजिए जिनका उपयोग मूल्य प्रभाव को प्रतिस्थापन प्रभाव तथा आय प्रभाव में विभाजित करने के लिए किया जाता है।

8) पूर्ण प्रतिस्पर्धात्मक बाजार में दक्षता प्राप्त करने में सीमांत लागत की मूलभूत भूमिका की व्याख्या कीजिए।

9) दो वस्तुओं (X तथा Y) और दो उत्पादन कारकों (L तथा K) वाली अर्थव्यवस्था में उत्पादन का सामान्य संतुलन (General Equilibrium of Production) कैसे प्राप्त किया जाता है?

10) कैदी की दुविधा (Prisoner's Dilemma) की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।